कवि-परिचय :

कबीर के समय संत कवि धरमदास एगो सुखी संपन्न परिवार में पैदा होलन हल। बचपने से उनकर मन साधु-संत के संगति में लगल रहल। तिरिथ, दरसन, पूजा-पाठ आउ सत्संग में इनकर जीवन बीतऽ हल। ऊ कबीरदास के विचार से बहुत परभावित हलन। उनकर पक्का चेला बन गेलन आउ कबीर के परलोक वास के बाद उनकर गद्दी उनके मिलल । ऊ सगुन भक्ति छोड़ के निरगुन भक्ति में लग गेलन। बाकि अंतर एगो ई हल कि कबीर के रहस्यवाद के जगह परेम से सरल भाव के बरनन कयलन हे। इनकर कउनो छपल किताब न मिलऽ हे। तइयो 'धरमदास शब्दावली' के नाम से इनकर छपल रचना मिल जा हे।

ई कविता में धरमदास संसारिक मोह-माया से बचे के उपाय लिखलन हे। ऊ कहित हथ कि ई दुनिया काँटा, सेवार से भरल हे। ई लेल ऊ अप्पन साहेब से कहित हथ कि हे साहेब अप्पन देस में हमरो भी लिऔले चलऽ। ई देस में साधु बहुत हथ। ई लेल साधु के दरस करौले चलऽ। ऊ अप्पन गुरु से निहोरा कर रहलन हे कि ई भौतिक संसार के दुख-दर्द से बचा के अप्पन चरन में लगा के अप्पन देस में हमरो लिऔले चलऽ।

संत धरमदास के पद

ले ले चलऽ हो साहेब लिऔले चलऽ हो।
साहेब अप्पन देसवा लिऔले चलऽ हो।

ई देसवा में काँटा बहुत हे,
ई कँटवा से छोड़ौले चलऽ हो।

ई नदिया में सेवार बहुत हे,
ई सेवरवा छोड़ौले चलऽ हो।

ई देसवा में मरन-जीयन हे,
मरन-जीयन के उठैले चलऽ हो।

ई देसवा में तो साधु बहुत हथ,
साधु के दरस करौले चलऽ हो।

धरम दास करथ अप्पन गुरु से अरजिया,
साहेब अप्पन चरनिया लगौले चलऽ हो।

अभ्यास-प्रस्न

मौखिक :

1. ई पद में साहेब केकरा कहल गेल हे?
2. संत कवि धरमदास ई देस के काहे छोड़ेला चाहित हथ?
3. ई संसार के तुलना ऊ कउन-कउन चीज से कयलन हे?
4. साधु के दरस करावेला काहे कह रहलन हे?
5. ऊ केकरा से निहोरा कर रहलन हे?

लिखित :

1. धरमदास के संछेप में परिचय दऽ।
2. धरमदास के पद के भाव बतावऽ।
3. ई दुनिया के दुखी काहे बतावल गेल हे?
4. नीचे लिखल पद्यांस के सप्रसंग व्याख्या करऽ:

   ई देसवा में काँटा बहुत हे,
   ई कँटवा से छोड़ौले चलऽ हो।
   ई नदिया में सेवार बहुत हे,
   ई सेवरवा छौड़ौले चलऽ हो।

5. नीचे लिखल पद्यांस के भाव लिखऽ:

   लेले चलऽ हो साहेब लिऔले चलऽ हो।
   साहेब अप्पन देसवा लिऔले चलऽ हो।

6. धरमदास के पद से संबंधित नीचे एगो उदाहरन देल जा रहल हे। ओइसने उदाहरन दऽ :

(क) ई देस दुख से भरल हे।

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

भासा-अध्ययन :

1. पद में आयल सबद के तत्सम सबद बतावऽ।
2. नीचे लिखल कउन संग्या हे?

   देसवा, नदिया, कँटवा, साधु, गुरु
3. पद में आयल सबद के अरथ कोस्ठ में लिखल गेल हे–तू सबद के सामने ओकर सही सबद चुन के लिखऽ!

(क) निहोरा	(क) पाँव
(ख) दरस	(ख) देखना
(ग) चरन	(ग) चुभजाय वाला
(घ) काँटा	(घ) विनती
(च) अपना	(च) अप्पन

4. नीचे लिखल सबद के व्याख्या करऽ :

   नदी में सेवार, देस में काँटा, साधु के दरस

   गुरु से अरज, चरन में लगावऽ।
5. नीचे लिखल वाक्य के उद्देस्य आ विधेय बतावऽ :

   ई नदिया में सेवार बहुत हे।
6. ई पद में कउन अलंकार आयल हे?

योग्यता-विस्तार :

1. रहस्यवाद के अरथ बतावऽ।

2. रहस्यवाद से सम्बन्धित कोनो रहस्यवादी संत कवि के इया आज के कोनो कवि के एगो पद चुन के लावऽ आउ ओकर अरथ बतावित कलास में पाठ करऽ।

3. संत कवि आउ आज के कवि में तोर विचार से का अंतर पावल जा रहल हे, एकरा पर एगो छोट लेख लिखऽ।

सब्दार्थ :

सेवार	:	पानी में उपजल एगो घास-पात।
अरज	:	निहोरा
साहेब	:	इहाँ परमात्मा के लेल आयल हे